संयंत्रों पर चरणबद्ध रूप से कार्य प्रारम्भ करने का प्रस्ताव है ।

(ख) 8 नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक संयंत्रों और प्रस्तावित 11 फास्फेटिक उर्वरक में से 5 संयंत्रों के स्थानों का अभी निर्णय नहीं किया गया है । 6 फास्फेटिक उर्वरक संयंत्रों के सही स्थान है पारादीप (उड़ीसा), मंगलौर (कर्नाटक), तूतीकोरिन विस्तार (तमिलनाडु), कोचीन विस्तार (केरल), गोवा विस्तार (गोआ) और झाबूआ (मध्य प्रदेश) ।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख नगरों में खाना पकाने की गस की कमी

1089. **श्री कलराज मिश्र :** क्या **पट्रोलियम, रसायन और उवरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को उत्तर प्रदेश के प्रमुख नगरों में खाना पकाने की गैस तथा मिट्टी के तेल की कमी की जानकारी है ; और

(ख) यदि हां, तो इन मदों की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में करने हेतु सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री पी० सी० सेठी) : (क) अभी हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में उसके प्रमुख नगरों और कस्बों सहित तरल पेट्रोलियम गैस (एल०पी०जी०) तथा मिट्टी के तेल (एस०के०ओ०) दोनों की कुछ कमी अनुभव की गयी है ।

(ख) बरौनी तेल शोधक कारखाने के लगातार जनवरी, 1981 तक बन्द रहने के कारण विभिन्न स्थानों में एल०पी० जी० की सप्लाई के बकाया आर्डर पर्याप्त संख्या में थे । यद्यपि कोयाली (गुजरात) तेल शोधक कारखाने से एल०पी० जी० का परिवहन करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई थीं, परन्तु उक्त तेल शोधक कारखाने में कर्मचारियों द्वारा "धीरे काम करो" आन्दोलन के परिणामस्वरूप मांगों को पूरा करने के लिए सप्लाई पर्याप्त नहीं थी । एल०पी०जी० (खाना पकाने की गैस) की कमी के कारण मिट्टी के तेल के लिए मांग बढ़ गयी थी । कोयाली शोधक कारखाने में "धीरे काम करो" आन्दोलन 2 अप्रैल, 1981 को समाप्त कर दिया गया था । बरौनी तेल शोधक कारखाना भी पुनः आरंभ हो गया है । इसके परिणामस्वरूप एल०पी०जी० तथा मिट्टी के तेल दोनों की उपलब्धता में सुधार हुआ है । तेल कम्पनियां इन दोनों उत्पादों की उत्तर प्रदेश को अधिकतम सप्लाई करने के लिए कदम उठा रही है और नियमित रूप से सप्लाई स्थिति की देखभाल की जा रही है ।

Construction Work of Fertilizer Plant at Kakinada

1090. SHRI KRISHNA MOHAN BHAMIDIPATI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state by when the construction work of the Fertilizer Plant at Kakinada in Andhra Pradesh is likely to commence?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. C. SETHI): The Government of Andhra Pradesh, who are the promoters of M/s. Nagarjuna Fertilizers and Chemicals Limited are exploring avenues for financing the fertilizer plant at Kakinada. The work on the project can commence only after the financing arrangements are finalized.